Metric 2.4.2

Students go through a set of activities as preparatory to school-based practice teaching and internship. Pre practice teaching / internship orientation/training encompasses certain significant skills and competencies such as:

- **Reports and photographs/videos of the activities**

Reports

Student goes through asset of activities as preparatory to school-based practice teaching and internship free prestige teaching internship orientation training eco certain significant skin and competencies such as-

1. Formulating learning objectives :

Every new budding teacher needs to know how to formulate learning objectives while preparing lesson plans. The college asks them to formulate both instructional as well as behavioral objectives while preparing micro and macro lesson plans during their internship program. During this activity teacher tries their best that every student procures most of the objectives and learn importance of professionalism in preparation of lesson plan.

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

2. <u>Content mapping</u> :

Understanding the need to polish the students before they join as intern in schools, colleges ensures that students get in internship orientation and acquire all skills required during internship .one such technique that students need to know is the technique of content mapping .under this technique students are taught how to organize content, make charts and flow charts on the topic and create Venn diagrams to simplify a particular topic. These teachers under this technique train their students regarding how to teach in an instructional unit and improve their comprehension of new concepts.

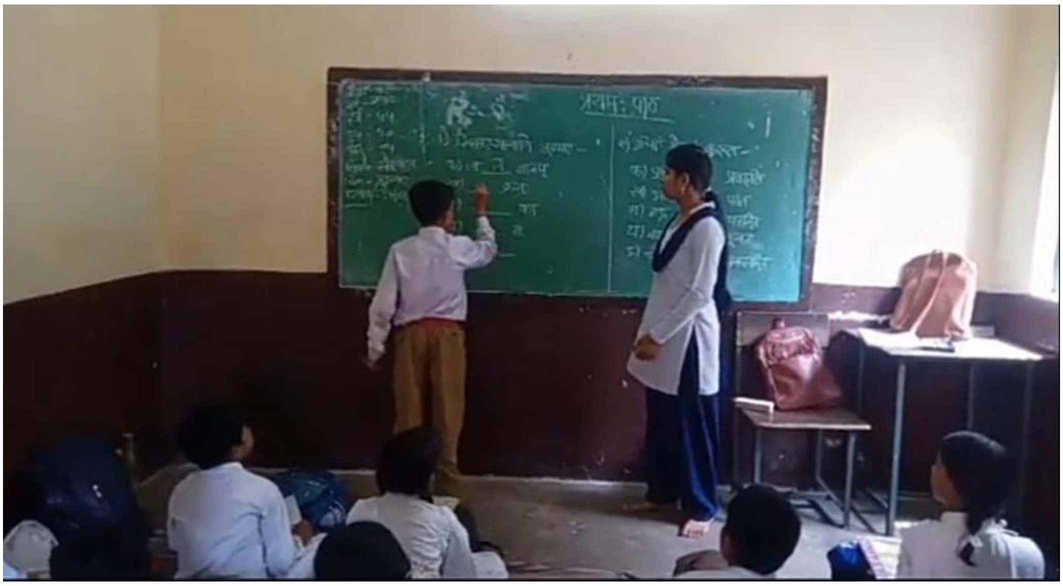

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

3. **Lesson planning/ individualized Education plans:**

Every pupil teacher needs to know how to prepare lesson plans in order to make the students up to date with lesson plan, the college ask them to prepare 40 macro lesson plans during this activity teachers tries their best that every student attain most of the objectives and learn importance of professionalism in preparation of lesson plans. Student is also trained to get a pulse of such students who show deviant behavior and who are in need of extra care and attention.

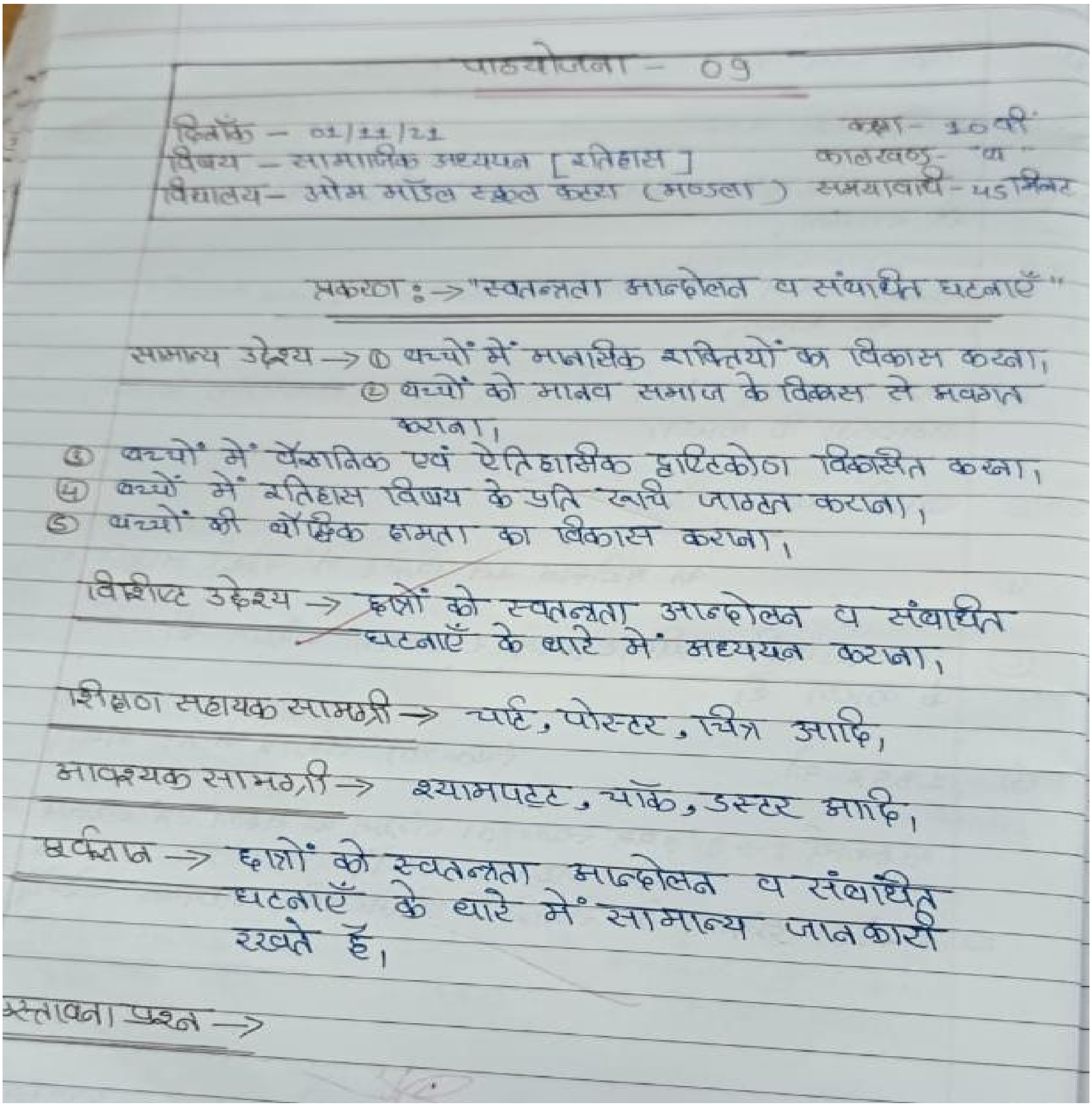

पाठयोजना - 09

दिनांक - 01/11/21 कक्षा - 10वीं
विषय - सामाजिक अध्ययन [इतिहास] कालखण्ड - "ब"
विद्यालय - ओम मॉडल स्कूल कस्बा (मण्डला) समयावधि - 45 मिनट

प्रकरण :-> "स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ"

सामान्य उद्देश्य -> ① बच्चों में मानसिक शक्तियों का विकास करना,
② बच्चों को मानव समाज के विकास से अवगत कराना,
③ बच्चों में वैज्ञानिक एवं ऐतिहासिक दृष्टिकोण विकसित करना,
④ बच्चों में इतिहास विषय के प्रति रुचि जागृत कराना,
⑤ बच्चों की बौद्धिक क्षमता का विकास करना,

विशिष्ट उद्देश्य -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में अध्ययन कराना,

शिक्षण सहायक सामग्री -> चार्ट, पोस्टर, चित्र आदि,

आवश्यक सामग्री -> श्यामपट्ट, चॉक, डस्टर आदि,

पूर्वज्ञान -> छात्रों को स्वतन्त्रता आन्दोलन व संबंधित घटनाएँ के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं,

प्रस्तावना प्रश्न ->

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① गाँधी जी कौन-सा जीवन बिताते थे,	उ० साधा जीवन,
② गाँधी जी का पूरा नाम क्या है?	उ० मोहनदास करमचन्द गाँधी,
③ गाँधी जी के महान आदर्श जीवन किन दो बातों पर महानता दिखाती है,	उ० सत्य और अहिंसा पर,
④ स्वतन्त्रता आन्दोलन से क्या आशय है?	उ० समस्यात्मक प्रश्न,

उद्देश्य कथन → छात्रों आज हम स्वतन्त्रता आन्दोलन व सम्बन्धित घटनाएँ के बारे में अध्ययन करेंगे,

शिक्षण विधि → प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्यान विधि, श्यामपट्ट विधि आदि,

प्रस्तुतिकरण →

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1) स्वतन्त्रता आन्दोलन की घटनाएँ	राष्ट्रीय आन्दोलन के इतिहास में अनगिनत व्यक्तियों, सस्थाओं और घटनाओं का योगदान रहा है,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेगें,	प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से नेतृत्व दिया,
	प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से देश को नेतृत्व प्रारम्भिक वर्षों में उदारवादी नेताओं ने अपने तरीकों से नेतृत्व दिया,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेगें,	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
1 स्वतंत्रता आन्दोलनों की घटनाएँ	परन्तु बाद में नेतृत्व उग्र- राष्ट्रवादियों के हाथ में आया, उग्र राष्ट्रवादियों ने अपने असीम देश-प्रेम, बलिदान, त्याग के द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा और गति दी,	छात्र ध्यान-पूर्वक व्याख्या सुनेगें,	उग्र राष्ट्रवादियों ने अपने असीम देश-प्रेम, बलिदान, त्याग के द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई दिशा और गति दी,
	लोकमान्य तिलक और महात्मा गांधी जैसे राष्ट्रवादी नेताओं ने विरोध और प्रतिरोध करने के अपने तरीकों द्वारा राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक तथा सांस्कृतिक धरातल प्रदान किया,	छात्र ध्यान पूर्वक व्याख्या सुनेगें,	क्रांतिकारी आन्दोलनों की विस्तृत श्रृंखला ने जनता के समक्ष त्याग और बलिदान का उत्कृष्ट उदा० प्रस्तुत किया,
	क्रांतिकारी आंदोलनों की विस्तृत श्रृंखला ने जनता के समक्ष त्याग और बलिदान का उत्कृष्ट उदा० प्रस्तुत कर देश में अभूत-पूर्व राजनीतिक जागृति उत्पन्न की,		लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी जैसे- नेताओं का नाम राष्ट्रवादी नेताओं में आता है,
2 बंगं-भंगं और स्वदेशी आंदोलन	बंगं-भंगं आंदोलन → 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन प्रभावी हो गया इसके अनुसार →	छात्र ध्यान-पूर्वक व्याख्या सुनेगें,	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन	(1) पूर्वी बंगाल और असम को मिलाकर एक नया प्रांत बनाया गया, जिसमें चटगाँव राजशाही व ढाका के तीन जिले सम्मिलित थे, इस प्रांत की राजधानी ढाका थी, (2) पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा को मिलाकर दूसरा प्रांत गठित किया गया, इस प्रांत की राजधानी कलकत्ता थी,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	बंग-भंग आंदोलन ↓ 16 अक्टूबर 1905 को बंगाल विभाजन प्रभावी हो गया, ↓ इसके अनुसार (1) पूर्वी बंगाल और असम को मिलाकर एक नया प्रांत बनाय गया, (2) पश्चिम बंगाल, बिह और उड़ीसा को मिलाकर दूसरा प्रां गठित किया गया
	स्वदेशी आंदोलन → स्वदेशी आंदोलन पर उग्रराष्ट्रवादी नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी, इस आन्दोलन में विदेशी सामान के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली,	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	स्वदेशी आंदोलन ↓ इस आंदोलन पर उ राष्ट्रवादी नेताओं की पकड़ मजबूत हो चु थी, तथा इस आं में विदेशी सामान बहिष्कार को सर्व लोकप्रियता मिलि
	आन्दोलनकारी विदेशी कपड़ों की होली तो जला ही रहे थे, औरतों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया व धोबियों ने विदेशी कपड़े धोने से मना कर दिया, आंदोलन की सर्वव्यापकता से भारतीयों के मन में स्वराज की धारणा बलवती हुई।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

Page No.
Date :

शिक्षण बिंदु	छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
3) बंग-भंग और स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव -	① बंग-भंग के कारण एकता की भावना का विकास हुआ। ② स्वदेशी के प्रति नागरिकों का सम्मान बढ़ा, ③ पारम्परिक हस्तकारी उद्योग में नवजीवन का संचार हुआ। ④ शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन आया।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	बंग-भंग आंदोलन के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ, व स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत में फूट हुई,
	⑤ बंग-भंग के कारण सांस्कृतिक चेतना का विकास हुआ। ⑥ स्वदेशी आंदोलन के प्रभाव से सूरत की फूट हुई।	छात्र ध्यानपूर्वक व्याख्या सुनेंगें,	

बोधात्मक प्रश्न ->

छात्राध्यापिका क्रिया	छात्र क्रिया
① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?	उ० 16 अक्टूबर 1905 को
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?	उ० उग्रराष्ट्रवादी नेताओं की
③ इस आंदोलन में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?	उ० विदेशी समान को।
④ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?	उ० लोकमान्य तिलक और महात्मा गाँधी।
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?	उ० विदेशी वस्तुओं का।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पुनरावलोकन प्रश्न ->

① बंगाल विभाजन प्रभावी कब हुआ?
② स्वदेशी आंदोलन पर किन नेताओं की पकड़ मजबूत हो चुकी थी?
③ राष्ट्रवादी नेताओं के नाम बताइए?
④ इस आन्दोलनों में किन समानों के बहिष्कार को सर्वाधिक लोकप्रियता मिली?
⑤ औरतों ने किन वस्तुओं का बहिष्कार किया?

कक्षा कार्य ->

प्र०① खाली स्थान भरिए -

① विदेशी सामानों का ________ किया गया।
② औरतों ने ______ वस्तुओं का बहिष्कार किया।
③ महात्मा गाँधी ______ राष्ट्रवादी थे।

प्र०② सही जोड़ी बनाइए -

① राष्ट्रवादी नेता	16 अक्टूबर 1905
② बंगाल विभाजन	उग्र राष्ट्रवादी
③ लोकमान्य तिलक	महात्मा गाँधी

गृहकार्य -> ① खिलाफत और असहयोग आंदोलन का अध्ययन
② जलियाँवाला बाग हत्याकांड का सविस्तार अध्ययन

पर्यवेक्षक के हस्ता०　　विषय शिक्षक के हस्ता०　　छात्राध्यापिका हस्ता०

प्रधानाचार्य
मॉडल स्कूल कटरा
मण्डला (म.प्र.)

टिप्पणी -> कार्य सर्वोत्तम रहा।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

INDEX

क्रमांक	Date	Tittle	Page. No.
01	5-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना ।	1-6
02	5-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना ।	7-11
03	16-12-22	श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना ।	12-17
04	21-12-22	उद्दीपन परिवर्तन कौशल ।	18-12
05	21-12-22	उद्दीपन परिवर्तन कौशल ।	23-26
06	21-12-22	पुनर्बलन कौशल का पुनः अभ्यास करना ।	27-30
07	22-12-22	पुनर्बलन कौशल का पुनः अभ्यास करना ।	31-35
08	24-12-22	प्रस्तावना कौशल का अभ्यास करना ।	36-39
09	22-12-22	प्रस्तावना कौशल का अभ्यास करना ।	40-43
0	22-12-22	दृष्टान्त कौशल का अभ्यास करना ।	44-48
11	28-12-22	दृष्टान्त कौशल का पुनः अभ्यास करना ।	49-53

छात्राध्यापक हस्ताक्षर

विषय शिक्षक हस्ताक्षर

पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

सूक्ष्म पाठ्योजना क्रमांक – 01

[illegible] | अध्यापन / पुनराध्यापन

दिनाँक — 5/12/2022
विषय — विज्ञान
कक्षा — 6th
समयावधि — 10 मिनट
कालखण्ड — II nd
प्रकरण — दैनिक जीवन में विज्ञान

श्यामपट्ट लेखन कौशल

घटक

लेखन की स्पष्टता

(1) अस्पष्ट अक्षर
(2) अनुपयुक्त अक्षर
(3) शब्दों में अनुपयुक्त अक्षर
(4) अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते हैं।
(5) बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर
(6) अक्षरों के अंतर आकार में अंतर

श्यामपट्ट कार्य की स्वच्छता

(1) वाक्य सीधी लाइन में नहीं
(2) दो शब्दों के मध्य अन्तराल उपयुक्त
(3) शब्द अव्यवस्थित लिखे
(4) श्यामपट्ट पर ध्यानकेन्द्रित रहित

श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता

(1) श्यामपट्ट कार्य में सत्य का अभाव
(2) श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट
(3) रंगीन पेन का उपयुक्त प्रयोग किया गया।

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

(4) मुख्य बिन्दुओ का रेखांकन ।
मुख्य बिन्दुओ पाठ के साथ बनाये ।
(5) चित्र रेखाचित्र पाठ के साथ बनाये ।
(6) चित्र रेखा चित्र उपयुक्त हो ।

* **उद्देश्य :-** सूक्ष्म शिक्षण द्वारा श्यामपट्ट लेखन कौशल का अभ्यास करना ।

→ **प्रस्तुतीकरण :-**

शिक्षण बिन्दु	छात्राध्यापक क्रिया	छात्र क्रिया	श्यामपट्ट कार्य
(1) दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व को समझना	प्र.(1) विज्ञान किसे कहते है?	प्रकृति के क्रमबद्ध ज्ञान को विज्ञान कहते है।	दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता → कृषि के क्षेत्र में (i) उर्वरक (ii) खाद्य (iii) ट्रेक्टर जुताई के लिए (iv) उन्नत बीज → शिक्षा के क्षेत्र में (i) कम्प्यूटर (ii) लेपटाप (iii) ई लर्निंग
	प्र.(2) विज्ञान हमारे जीवन मे किस प्रकार प्रभाव डालता है?	समस्यात्मक प्रश्न	
	छात्राध्यापक कथन :- विज्ञान की वजह से हमारे बहुत से काम आसान हो गये है। साथ ही समय, धन, तथा श्रम की बचत भी होती है।	छात्र ध्यान पूर्वक सुनते है।	
विज्ञान के क्षेत्र संक्षिप्त टिप्पणी	प्र.(1) यातायात के साधनों के नाम बताइए?	बस, कार, रेलमार्ग	
	प्र.(2) आज के दैनिक जीवन में प्रयोग होने	।	

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

विज्ञान के अन्य क्षेत्रों के बारे में बताइए?	समस्यात्मक प्रश्न	→ यातायात के क्षेत्र में ↓ बस, कार, रेलगाड़ी जहाज, सायकल
शिक्षक कथन :- हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान की उपयोगिता निम्न क्षेत्रों में है - कृषि के क्षेत्र में, शिक्षा के क्षेत्र में यातायात के क्षेत्र में, दूर संचार के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में तथा औद्योगिक क्षेत्र आदि में किसी न किसी रूप में हम रोजाना अपनी दैनिक दिनचर्या में विज्ञान द्वारा अविष्कार किये गये वस्तुओं का उपयोग हम करते है। उदा. बस, कार, मोबाइल, फोन, टार्च, बिजली, ईंधन कपड़ा खाद्य पदार्थ, दवाइयाँ आदि।		→ दूर संचार में ↓ टेलीफोन, E.mail. fax Instamate → मनोरंजन में T.V, रेडियो smartphone गेम.

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

DATE :

पर्यवेक्षक अनुसूची क्र. -01

क्रमांक	घटक	मिनट 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	लेखन की स्पष्टता										
(1)	अस्पष्ट अक्षर	।	।								
(2)	अनुपयुक्त अक्षर	।	।	।	।						
(3)	शब्दों में अनुपयुक्त अंतराल	।	।	।							
(4)	अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते है।	।	।	।	।	।	।				
(5)	बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर	।	।	।							
(6)	अक्षरों के आकार में अंतर	।	।								
	श्यामपट्ट कार्य की स्वच्छता										
(7)	वाक्य सीधी लाइन में नहीं	।	।								
(8)	दो लाइनों के मध्य अंतराल	।	।	।	।	।					
(9)	शब्द अव्यवस्थित लिखे	।	।								
(10)	श्यामपट्ट कार्य पर ध्यानकर्षित केन्द्रित	।	।	।							
	श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता										
(11)	श्यामपट्ट कार्य में सत्य का अभाव	।									
(12)	श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट	।	।	।	।						
(13)	रंगीन पेन का उपयुक्त प्रयोग	।	।	।	।	।					
(14)	मुख्य बिन्दुओं का रेखांकन	।	।								
(15)	चित्र रेखा चित्र पाठ के साथ बनाए	।	।	।	।	।	।				
(16)	चित्र रेखा चित्र उपयुक्त था	।	।	।	।						

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

पर्यवेक्षण अनुसूची क्र. -02

क्रमांक	कथन	कम		मध्यम					ज्यादा		
		1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
	लेखन की स्पष्टता										
(1)	अस्पष्ट अक्षर	1	(2)	3	4	5	6	7	8	9	10
(2)	अनुपयुक्त अक्षर	1	2	3	(4)	5	6	7	8	9	10
(3)	शब्दों में अनुपयुक्त अंतराल	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(4)	अक्षर कक्षा के अंतिम छोर तक पढ़े जा सकते हैं।	1	2	3	4	5	(6)	7	8	9	10
(5)	बड़े या छोटे अक्षरों के अंतराल में अंतर	1	2	(3)	4	5	6	7	8	9	10
(6)	अक्षरों के आकार में अंतर	1	(2)	3	4	5	6	7	8	9	10
	श्यामपट्ट कार्य स्वच्छता										
(7)	वाक्य सीधी लाइन में नहीं	1	(2)	3	4	5	6	7	8	9	10
(8)	दो लाइनों के मध्य अंतराल अनुपयुक्त	1	2	3	4	(5)	6	7	8	9	10
(9)	शब्द अव्यवस्थित लिखे	1	(2)	3	4	5	6	7	8	9	10
(10)	श्यामपट्ट पर ध्यान केंद्रित केन्द्रित	1	2	(3)	4	5	6	7	8	9	10
	श्यामपट्ट कार्य की उपयुक्तता										
(11)	श्यामपट्ट कार्य में सत्य का अभाव	(1)	2	3	4	5	6	7	8	9	10
(12)	श्यामपट्ट कार्य संक्षिप्त और स्पष्ट	1	2	3	(4)	5	6	7	8	9	10
(13)	रंगीन पेन का उपयुक्त प्रयोग किया	1	2	3	4	(5)	6	7	8	9	10
(14)	मुख्य बिन्दुओं का रेखांकन	1	(2)	3	4	5	6	7	8	9	10
(15)	चित्र रेखा चित्र पाठ के लिए बनाए	1	2	3	4	5	(6)	7	8	9	10
(16)	चित्र रेखा चित्र उपयुक्त था	1	2	3	(4)	5	6	7	8	9	10

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

अन्य बिन्दु

क्रमांक	अन्य बिन्दु	हाँ	नहीं
(1)	पाठ प्रारंभ की पूर्व श्यामपट्ट साफ किया	✓	
(2)	पाठोपरान्त श्यामपट्ट साफ किया	✓	
(3)	कक्षा में छात्रों और अध्यापकों के मध्य अध्यापन वातावरण बना		✓
(4)	चॉक से लिखते समय चॉक की आवाज हुई		✓
(5)	श्यामपट्ट साफ करते समय डस्टर हाथ में थी	✓	

टिप्पणी :- (1) आपके अक्षरों के मध्य अंतराल कम है. इसमें सुधार करें।
(2) चित्रों व रेखाचित्रों का अधिक प्रयोग करें।
(3) अक्षरों को छोटे बड़े आकार में न लिखे।

छात्राध्यापक हस्ताक्षर — विषय शिक्षक हस्ताक्षर — पर्यवेक्षक हस्ताक्षर

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)

4. **<u>Identifying varied student abilities:</u>**

The college offers lot of opportunities to their students for identifying varied student abilities they are asked to visualize differential learning activities according to student's needs they are also trained to get a pulse of such students who show deviant behavior and who are in need of extra care and attention. They also prepare diagnostic test as well as achievement test and to assess varied student abilities.

5. **<u>Dealing with students' diversity in classrooms</u>:**

Understanding the diversity of classroom is a skill that every new teacher should understand to make the students capable of dealing with the diversity in the classroom the institute uses a variety of teaching methods, resources and discussions institute also organizes activities based on culture, religion and different disabilities teachers encourages based on culture religion and different disabilities .teachers encourages the students by introducing adaptive technologies and varied teaching strategies in classrooms. After these activities' students are able to acquire the skills of using different teaching methodologies according to the learners need.

6. <u>Visualizing differential learning activities according to student needs</u> :

To make students aware about the real-life situations while dealing with diverse students, they are asked to visualize differential learning activities according to student needs. They are also trained to get a pulse of such students who show deviant behavior and who are in need of extra care and attention.

7. **<u>Addressing inclusiveness</u>:**

Community plays an important role in education of a child to understand different aspects of community, the college organizes visits to different community service institution like orphanages, special child's school etc. also a visit is made to the Jagannathan excellence schools, Sarasvati schools, Kanya Shala schools and various develop empathy among students and they get experience of using local environment in teaching learning process.

8. **<u>Assessing student learning:</u>**

Assessing students is one of the important parts of the teaching profession. to teach the pupil teachers how to assess the students performance ,the college provides them assignments like the preparation of cumulative record card for CCE they are also thought how to create a blueprint and prepare a questionnaire in light of blueprint teachers act as a facilitator and guide they help students in preparing the records and develop the various skills that are required to prepare these records and develop the various skills that are required to prepare blueprint, tests items and cumulative record cards.

9. <u>Mobilizing relevant and varied learning resources</u> :

Bringing novelty in learning resources is of utmost importance for the faculty members. Teachers utilizes variety of print and non-print media to bring innovation in their teaching learning process individual differences are taken care of while choosing any learning resources. Faculty is well versed the concepts of technology and always tries to train their students to use multiple modes while learning. For instances, PowerPoint presentations YouTube vides models etc. are continually used in the classrooms which boost the confidence among teachers as well as of students.

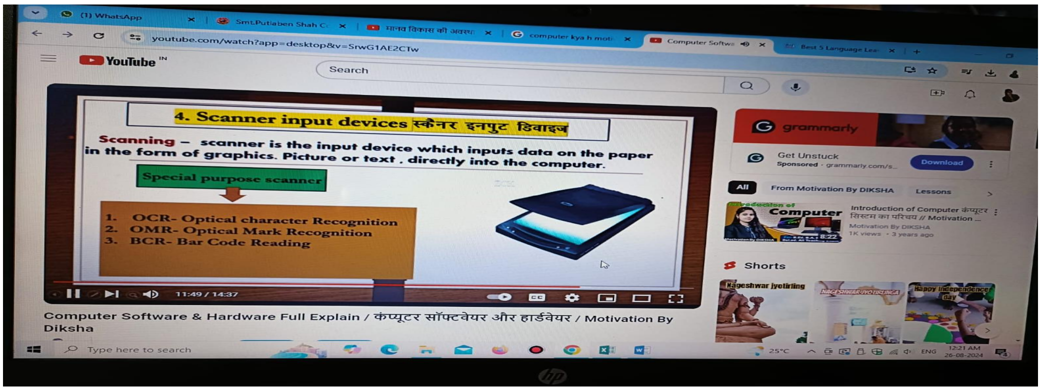

10. <u>Evolving ICT based learning situations</u>:

In this era of technology. It is the duty of the future teachers to bring the profession at per with the technological world. College ensures that its teachers know how to use YouTube social media, apps an e resources etc. teachers under this activity provide creative and individualized environment in the students so that they can acquire the basic skills of technology.

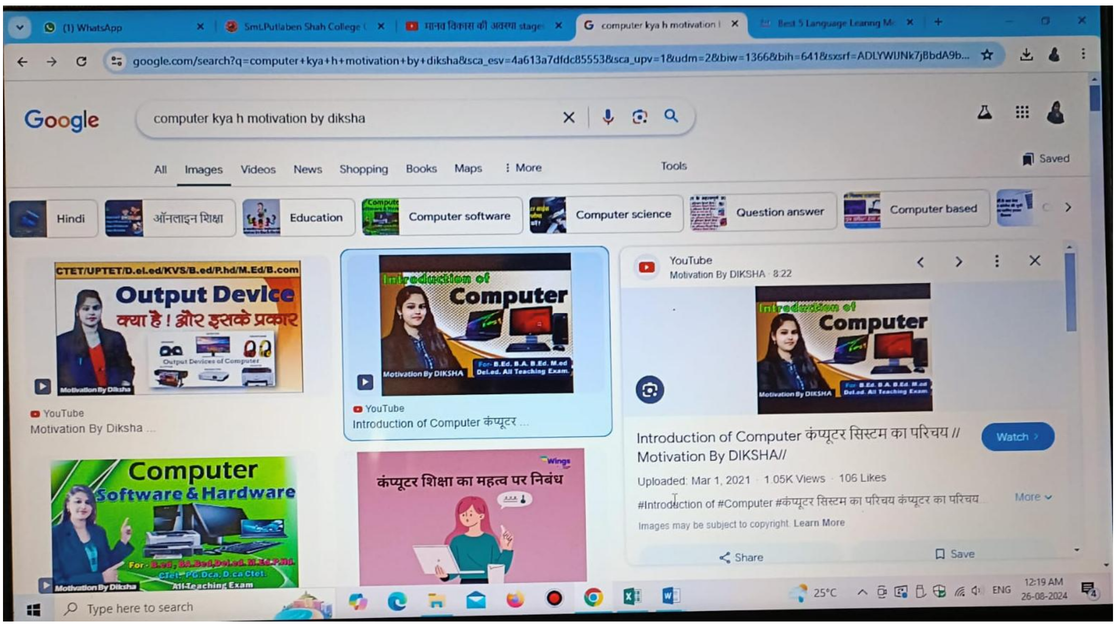

11. **<u>Exposure to community engagement</u>** :

Engagement with community is very necessary in teacher training process. The college ensures its bets to provide exposures to the students on various social issues. The college makes its students aware about girl education, awareness regarding prevention of in factious disease and conditions of under privileged children. By planning and organizing community service campaigns with an active involvement of students, the college helps them to understand different social problems and ways to fit in this society.

मतदान जागरूक कार्यक्रम

Principal
Rawat College of Education

विश्व एड्स जागरूकता दिवस

Speech Delivered By "Brijarshi Tiwari" (D.el.ed Ist yr)

Principal
Rawat College of Education
Mandla (M.P.)

दीपावली के अवसर पर सांस्कृतिक गतिविधियाँ

Principal
Maa Reweti College of Education
Mandla (M.P.)